पाठ-५

द्रव्य गुण पर्याय

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

☎ 99260-40137

विश्व किसे कहते हैं?

- छह द्रव्यों के समूह को
- और द्रव्यों का कभी नाश न होने से
- विश्व का भी कभी नाश नहीं होता
- मात्र पर्याय (अवस्था) पलटती है

द्रव्य किसे कहते हैं?

गुणों के समूह को

गुण किसे कहते हैं?

जो द्रव्य के सम्पूर्ण

भागों (प्रदेशों)

अवस्थाओं (पर्यायों)

में रहता है

अन्य शब्दों में

जो द्रव्य के सम्पूर्ण हिस्सों और हालतों में रहता है

जैसे - ज्ञान आत्मा का गुण है

ज्ञान आत्मा के

समस्त भागों में पाया जाता है

समस्त अवस्थाओं में पाया जाता है

ऊपर से नीचे तक

निगोद से लेकर मोक्ष तक

आत्मा में ज्ञान जैसे कितने गुण हैं?

- अनंत
- प्रत्येक द्रव्य में अपने-अपने अलग-अलग अनंत गुण हैं

✦ आत्मा अलग हो और गुण उसमें भरे हों, ऐसा नहीं है

✦ जैसे-डब्बे में शक्कर - ऐसा नहीं है

✦ जैसे - शक्कर में मिठास - ऐसा है

क्या आत्मा अनंत गुणों का भण्डार है?

ऐसा नहीं है -

आत्मा तो गुणमय ही है

वह तो गुणों का अखण्ड पिण्ड है

द्रव्य की अन्य परिभाषा

- द्रव्य; गुण और पर्यायवान होता है (गुणपर्ययवद् द्रव्यम्)

पर्याय किसे कहते हैं?

गुणों के परिणमन को पर्याय कहते हैं

✦ अत: द्रव्य को गुणों का समुदाय कहने में पर्यायें आ ही जाती हैं।

गुणों के प्रकार

सामान्य गुण

जो सब द्रव्यों में रहते हैं

विशेष गुण

जो अपने-अपने द्रव्य में रहते हैं

सामान्य गुण कितने हैं ?

- अनेक
- पर उनमें छह मुख्य हैं

सामान्य गुण कौन-कौन से हैं?

- अस्तित्व
- वस्तुत्व
- द्रव्यत्व
- प्रमेयत्व
- अगुरुलघुत्व
- प्रदेशत्व

अस्तित्व गुण किसे कहते हैं ?

★ जिस शक्ति के कारण द्रव्य का कभी भी अभाव (नाश) न हो

★ नाश न होने से उत्पाद भी न हो

अस्तित्व गुण - विशेष

- प्रत्येक द्रव्य की सत्ता स्वयं से है
- उसे किसी ने बनाया नहीं है
- न ही उसे कोई मिटा ही सकता है
- द्रव्य अनादि अनंत है

वस्तुत्व गुण किसे कहते हैं ?

जिस शक्ति के कारण
द्रव्य में अर्थ क्रिया
(प्रयोजनभूत क्रिया) हो

वस्तुत्व गुण - विशेष

- कोई भी वस्तु लोक में पर के प्रयोजन की नहीं है
- पर प्रत्येक वस्तु अपने-अपने प्रयोजन से सहित है,

जैसे जाननेरूप क्रिया जीव स्वयं करता, अन्य नहीं

द्रव्यत्व गुण किसे कहते हैं ?

जिस शक्ति के कारण
द्रव्य की अवस्था
निरन्तर बदलती रहे

द्रव्यत्व गुण - विशेष

- एक द्रव्य में परिवर्तन का कारण कोई दूसरा द्रव्य नहीं है ।
- अत: उसे परिणमन करने में पर की अपेक्षा नहीं है।

इन तीनों गुणों के कारण द्रव्य का क्या नाम हैं

गुण	नाम
अस्तित्व	सत्
वस्तुत्व	वस्तु
द्रव्यत्व	द्रव्य

तीनों में अंतर

गुण	बताता है कि द्रव्य -
अस्तित्व	''है''
वस्तुत्व	''निरर्थक नहीं है''
द्रव्यत्व	''निरन्तर परिणमनशील है''

प्रमेयत्व गुण किसे कहते हैं ?

जिस शक्ति के कारण द्रव्य किसी न किसी के ज्ञान का विषय हो

प्रमेयत्व गुण - विशेष

- बहुत-सी सूक्ष्म वस्तुएँ इन्द्रियों से दिखायी ही नहीं देती, पर केवलज्ञान में सब दिखायी देती है
- जगत का कोई भी पदार्थ अज्ञात रहे ऐसा नहीं है।

अगुरुलघुत्व गुण किसे कहते हैं ?

जिस शक्ति के कारण द्रव्य में द्रव्यपना कायम रहता है

- एक द्रव्य दूसरे द्रव्यरूप नहीं हो जाता
- एक गुण दूसरे गुणरूप नहीं हो जाता
- अनंत गुण बिखर कर अलग-अलग नहीं हो जाते

प्रदेशत्व गुण किसे कहते हैं ?

जिस शक्ति के कारण द्रव्य का कोई न कोई आकार अवश्य रहता है

प्रत्येक द्रव्य के विशेष गुण क्या हैं?

जीव	ज्ञान, दर्शन, सुख, वीर्य आदि
पुद्गल	स्पर्श, रस, गंध, वर्ण आदि
धर्म	गतिहेतुत्व आदि
अधर्म	स्थितिहेतुत्व आदि
आकाश	अवगाहनहेतुत्व आदि
काल	परिणमनहेतुत्व आदि

द्रव्य,गुण, पर्याय को जानने से क्या लाभ है ?

‘‘हम दीन, गुणहीन हैं’’ □ ऐसी भावना नहीं रहती

- कैसे ?
- क्योंकि हम-तुम भी तो सब जीव द्रव्य हैं
- और द्रव्य गुणों का पिण्ड होता है
- अत: हम भी गुणों के पिण्ड हैं

अनंत निर्भयता आती

- कैसे ?
- क्योंकि मेरा कोई नाश नहीं कर सकता है

विभाव पर्याय का नाश होता है - ऐसी श्रद्धा आती

- कैसे ?
- क्योंकि ज्ञान,चारित्र,सुख आदि हमारे गुण हैं
- उनका कभी नाश नहीं होता
- आत्मा के आश्रय से अज्ञान और राग-द्वेष आदि पर्यायों का ही अभाव हो जाता है